

बदरी-केदार की तरज़ पर वकिसति होगा बागनाथ

चर्चा में क्यों?

25 जून, 2022 को उत्तराखण्ड पर्यटन सचिव दलीप जावलकर ने बताया कि केंद्र सरकार की प्रसाद योजना के तहत बागेश्वर में बागनाथ मंदिर का विकास बदरीनाथ और केदारनाथ की तरज़ पर किया जाएगा।

प्रमुख बंदि

- योजना के तहत मंदिर परिसर की सभी दुकानों को पारंपरिक परवतीय शैली में एक समान तरीके से वकिसति किया जाएगा।
- सरयू नदी के तट पर घाटों का नरिमाण होगा, जबकि मंदिर परिसर में लाइट एंड साउंड शो और संग्रहालय के नरिमाण की भी सुवधि होगी।
- मंदिर के चारों ओर एक अग्रभूतित और भूतित चित्तिरों का उपयोग मंदिर को एक नया रूप देने के लयि किया जाएगा।
- चंडिका मंदिर से नीलेश्वर मंदिर तक रोपवे का नरिमाण, पुलों का सौंदर्यीकरण व प्रसाद के लयि स्मारिका दुकान की भी सुवधि होगी।
- गौरतलब है कि पर्यटन मंत्रालय द्वारा वर्ष 2014-15 में चहिनति तीर्थस्थलों के समग्र वकिस के उद्देश्य से 'तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक संवर्द्धन पर राष्ट्रीय मशिन' शुरू किया गया था, जिसका नाम बदलकर अक्टूबर 2017 में 'तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक वरिसत संवर्द्धन अभियान' (यानी 'प्रसाद') राष्ट्रीय मशिन कर दिया गया।